हरिभूमि
# रेवाड़ी भूमि
रोहतक, सोमवार 26 अक्टूबर 2026

**तापमान**

अधिकतम 31.5 डिग्री
न्यूनतम 16.8 डिग्री

11 आईजीयू में 13 से 15 नवंबर को होने वाले इंटर जोनल यूथ फेस्टिवल हिंडोला की तैयारी शुरू



12 कृष्णा डिग्री कॉलेज कोसली में 30 को सजेगा युवा महोत्सव का मंच, जोर-शोर से चल रही तैयारियां



## खबर संक्षेप

### दहेज उत्पीड़न मामले में एक गिरफ्तार

**रेवाड़ी।** थाना रोहड़ाई पुलिस ने दहेज की मांग पर विवाहिता को प्रताड़ित करने और जान से मारने की धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी विवाहिता की शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने दोनों पक्षों के बीच आपसी सहमति से सुलहनामा कराने के प्रयास किए थे। दोनों पक्षों में समझौता नहीं होने के बाद पुलिस ने 15 अक्टूबर को ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया था। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में गुरुग्राम के रामपुर निवासी रणजीत को गिरफ्तार किया है।

### 6 को प्रकाशित होगी अंतिम मतदाता सूची

**रेवाड़ी।** भारत निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार जिले में एसआईआर-2026 के तहत मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण का कार्य मिशन मोड में जारी है। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं डीसी अभिषेक मीणा ने संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अभियान के कार्य को निर्धारित समय-सीमा में पूरा करने के निर्देश दिए हैं। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि विशेष गहन पुनरीक्षण अभियान के तहत मतदाताओं से प्राप्त दावों एवं आपत्तियों का नियमानुसार निपटारा 28 अक्टूबर तक किया जाएगा।दावों एवं आपत्तियों के निपटारे की प्रक्रिया पूरी होने के उपरांत 6 नवंबर को अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन किया जाएगा। भारत निर्वाचन आयोग की ओर से निर्धारित दिशा-निर्देशों एवं समय-सारणी की पूरी तरह पालना करें।

### कोसली अनाजमंडी में शनिवार के रोस्टर गांवों के किसान बेच सकेंगे फसल

# अनाजमंडी में आज से खुले में होगी बाजरे की खरीद

## दो मंडियों में अब तक आठ लाख क्विंटल की आवक

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

जिले की रेवाड़ी व कोसली अनाजमंडी में बाजरे की लगातार भारी आवक हो रही है। दोनों अनाजमंड़ियों में व्यापारियों की ओर से ही बाजरे की प्राइवेट खरीद की जा रही हैं। रेवाड़ी व कोसली अनाज मंडियों में अब तक करीब 8 लाख क्विंटल बाजरे की खरीद हो चुकी है, जबकि ई-खरीद पोर्टल के माध्यम से करीब 6 लाख क्विंटल बाजरे की खरीद की जा चुकी है। बाजरे का भाव 2100 से 2300 रुपये प्रति क्विंटल चल रहा है। दोनों अनाजमंडियों में अब तक करीब 25 हजार किसानों की फसल खरीदी जा चुकी है। कोसली अनाजमंडी में शनिवार के रोस्टर के गांवों की बाजरा खरीद 26 अक्टूबर को की जाएगी। इसके बाद अनाजमंडी में 15 नवंबर पर बाजरे की ओपन में खरीद की जाएगी। इस अवधि में किसी भी गांव का किसान मंड़ियों में अपनी फसल बेच सकता है। रेवाड़ी व कोसली अनाजमंडियों में अब तक 8 लाख क्विंटल से अधिक बाजरे की आवक हो चुकी है। रेवाड़ी मंडी में 469328 व कोसली मंडी में 334085 क्विंटल बाजरा पहुंच चुका है। गत दिवस शनिवार को रेवाड़ी अनाज मंडी में ई-खरीद पोर्टल पर 725 गेटपास काटे गए तथा 18 हजार क्विंटल बाजरे की आवक दर्ज की गई। गत वर्ष 2025 में दोनों अनाज मंडियों में बाजरे की आवक 789699 क्विंटल थी। रेवाड़ी अनाजमंड़ी में धान की भी आवक चल रही है। अब तक 6696 क्विंटल के करीब धान आ चुका है। रेवाड़ी मंडी में धान की खरीद प्राइवेट की जा रही है।



रेवाड़ी। अनाजमंडी के फड़ पर रखे खरीदे गए बाजरे के कट्टे। फोटो : हरिभूमि

### कोसली मंडी में 26 को इन गांवों की होगी फसल खरीद



कोसली अनाज मंडी में शनिवार व रविवार को दो दिन बाजरा खरीद का उठान कार्य किया गया। कोसली मंडी में 26 अक्टूबर को शनिवार के रोस्टर के अनुसार वंचित रहे गांव राधा की ढाणी, गढी, मुंदड़ा, उष्मापुर, सैदपुर, चांग, जीवड़ा, करावरा, मानकपुर, खालेटा, लुला अहीर, सहादत नगर, ढाणा, भुरथला, कोलाना की ढाणी, निमोठ, चांदनवास, श्रीनगर व गोठड़ा के किसानों के बाजरे की खरीद की जाएगी।

### उठान कार्य में लाई जा रही तेजी

अनाजमंडियों में उठान कार्य धीमा होने के कारण जगह की कमी पड़ रही है, जिसक कारण मंडियों में अवकाश रखा जा रहा है। मार्केट कमेटी की ओर से व्यापारियों को बाजरे का उठान तेजी से करने के निर्देश दिए गए है ताकि आगामी फसल आवक के दौरान किसानों को परेशानी न उठानी पड़े। सोमवार से ओपन में बाजरे की खरीद शुरू होने से आवक बढ़ने की संभावना है।

### रेवाड़ी अनाज मंडी में कल रहेगा अवकाश

रेवाड़ी की नई अनाज मंडी में भी रविवार को बाजरे का उठान कार्य किया गया। इसके अलावा 27 अक्टूबर मंगलवार को मंडी में अवकाश रहेगा, जबकि 26 अक्टूबर को किसानों के बाजरे की ओपन में खरीद शुरू की जाएगी। रेवाड़ी मार्केट कमेटी सचिव नरेंद्र यादव ने बताया कि नई अनाज मंडी में फसल की भारी आवक तथा उठान का कार्य किए जाने की वजह से मंगलवार को कृषि उपज की खरीद बंद रखने का निर्णय लिया गया है। उन्होंने कहा कि सोमवार को किसान मंडी में आ सकते हैं। उसके बाद बुधवार को फसलों की खरीद की जाएगी। सचिव नरेंद्र यादव ने बताया कि अब किसी भी गांव के किसान फसल बेचने के लिए आ सकते हैं। रोस्टर प्रणाली बंद कर दी गई है।

# तेल के काले खेल का भंडाफोड़

## पेट्रोल और थिनर बरामद



रेवाड़ी। अवैध तेल कारोबार में पकड़ा गया आरोपी व मौजूद पुलिस टीम।

■ गज्जीवास से 800 लीटर पेट्रोल व 700 लीटर थिनर बरामद किया

हरिभूमि न्यूज ▶▶ रेवाड़ी

थाना मॉडल टाउन पुलिस ने टैंकरों से तेल निकालकर उसे राजस्थान में महंगे दामों पर बेचने के मामले में कार्रवाई करते हुए भारी मात्रा में पेट्रोल, थिनर और तेल निकालने के उपकरण बरामद किए गए हैं। पुलिस ने इस मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है, जबकि उसके अन्य साथी फरार होने में कामयाब हो गए। पुलिस अन्य आरोपियों का पता लगाने के प्रयास कर रही है। पुलिस को सूचना मिली थी कि गज्जीवास में गुरुग्राम जिले के कादीपुर निवासी भिवाड़ी मोड़ पर रहने वाले व्यक्ति के प्लॉट में टैंकरों से तेल चोरी किया जाता है। सूचना मिलने के बाद पुलिस की टीम मौके पर पहुंच गई। पुलिस को देखते ही वहां मौजूद लोग फरार होने में कामयाब हो गए, लेकिन एक आरोपी पुलिस के हत्थे चढ़ गया। पुलिस ने 800 लीटर पेट्रोल और 700 लीटर थिनर बरामद किया। छापेमारी के दौरान एक पिकअप गाड़ी, आधा दर्जन से अधिक खाली ड्रम और टैंकरों से तेल निकालने में इस्तेमाल होने वाले उपकरण भी मिले हैं। पुलिस ने मौके पर ही खाद्य एवं आपूर्ति विभाग की टीम के अधिकारियों को बुलाकर पेट्रोल और थिनर के सेंपल भरवाए। आरोपी को गिरफ्तार करने के बाद उसके अन्य साथियों का पता लगाया जा रहा है। पुलिस ने ईसी एक्ट सहित विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया है।



रेवाड़ी। पकड़े गए तेल के ड्रम गाड़ी में लोड करती पुलिस। फोटो : हरिभूमि

### पुलिस की कार्रवाई से लोगों में हड़कंप

करनावास में प्रमुख तेल कंपनियों के डिपो से रोजना सैकड़ों टैंकर तेल लेकर निकलते हैं। कई टैंकरों के चालक तेल का काला कारोबार करने वाले लोगों के साथ मिलकर टैंकरों से तेल की चोरी करते हैं। राजस्थान में दाम अधिक होने के बाद चोरी किया गया तेल वहां बेचा जाता है। बीते शनिवार को सीआईए ने खिजूरी के पास भी 22 सौ लीटर से अधिक पेट्रोल बरामद किया था। पुलिस की इस कार्रवाई से तेल चोरी करने वाले लोगों में हड़कंप मच गया है।





## खेलों में हरियाणा

भारतीय खेलों में हरियाणा का स्थान अत्यंत प्रमुख और अग्रणी है। देश की कुल आबादी का केवल लगभग 2 प्रतिशत हिस्सा होने के बावजूद, राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भारत के अधिकांश पदक इसी राज्य से आते हैं। ओलंपिक खेलों में भारत द्वारा जीते जाने वाले कुल पदकों में से आधे से अधिक पदक हरियाणा के खिलाड़ियों के नाम होते हैं। नीरज चोपड़ा, साक्षी मलिक, विनेश फोगाट, रवि कुमार दहिया और बजरंग पूनिया जैसे कई बड़े खिलाड़ियों का संबंध हरियाणा से है।

# हरियाणवी लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना के स्वर

**लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है।**



संस्कृति

सत्यवीर नाहड़िया



देश और दुनिया में अपनी स्वर्णिम सैनिक संस्कृति तथा समृद्ध शहादत परंपरा के लिए विख्यात वीरभूमि हरियाणा की अनूठी लोक संस्कृति में लोकगीतों का अपना विशिष्ट मौलिक महत्व है। जय जवान, जय किसान का प्रतिरूप यह सैन्य प्रदेश भले ही आबादी तथा क्षेत्रफल के आधार पर देश का दो फ़ीसदी के आसपास है, किंतु इसके समृद्ध सैन्य इतिहास का अंदाजा इस पहलू से लगाया जा सकता है कि भारतीय सेना में हर दसवां जवान हरियाणवी है। इसी प्रकार शहादत परंपरा में भी इस वीर प्रसविनी धरा ने उच्च आदर्श एवं कीर्तिमान स्थापित किए हैं। बात चाहे प्रथम स्वतंत्रता संग्राम की रही हो या पहले व दूसरे विश्व युद्ध की, स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद राष्ट्रव्यापी संघर्ष की रही हो या फिर आजादी प्राप्ति के बाद भारत-चीन की 1962, भारत-पाक के बीच 1965, 1971 व 1999 की लड़ाइयों की रही हो या फिर विभिन्न शांति ऑपरेशंस की हो, हरियाणा के रणबांकुरों ने अपने बलिदान एवं अदम्य साहस से निरंतर इतिहास लिखा है। इस माटी के लोकगीतों में राष्ट्रीय चेतना की इस भावभूमि को सहज ही महसूस किया जा सकता है।

लोकगीत लोक के गीत होते हैं, लोक मानस के गीत, जनमन के गीत, जिनमें लोकाचार लोक विश्वास, लोक परंपराएं, लोकजीवन, लोक मूल्य तथा इन सबसे जुड़ी विस्तृत सांस्कृतिक पृष्ठभूमि अंतर्निहित होती है। यही कारण है कि लोकगीतों का अपना ऐतिहासिक, सांस्कृतिक, राजनीतिक, सामाजिक, धार्मिक, नैतिक तथा मनोवैज्ञानिक महत्व होता है। लोक की अनूठी संपदा लोकगीतों का कोई ओर-छोर नहीं है। लोक जहां बहता हुआ जल है, वहीं लोकगीत उसकी संस्कृति के प्राण हैं, जिनमें जीवंत लोक मानस बसता है। लोक मानस की सरलतम लयात्मक अभिव्यक्ति ही लोकगीत हैं, जिनमें लोक की आत्मा झंकृत होती है। लोकगीतों के रचनाकार तथा रचना स्थल निर्धारित नहीं होते, क्योंकि वे किसी रचनाकार विशेष की संपदा न होकर समूचे लोक की अनूठी विरासत होते हैं। हरियाणा के लोकगीतों का फलक बेहद विस्तृत व समृद्ध रहा है, किंतु इस आलेख में हम संक्षिप्त एवं प्रतीक रूप में केवल राष्ट्रीय चेतना से जुड़े लोकगीतों की चर्चा करेंगे।

घर-घर फौजी वाले हरियाणा प्रदेश के चप्पे-चप्पे में शहीदों, स्वतंत्रता सेनानियों, जांबाज सैनिकों के अनूठे बलिदान शौर्य और त्याग की मार्मिक कहानी व्याप्त है। आजादी से पहले तथा स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद हरियाणा की सैन्य परंपरा ने देश व प्रदेश के सैनिक इतिहास को निरंतर समृद्ध करते हुए अनेक स्वर्णिम अध्याय लिखे हैं,जिसके चलते हरियाणा प्रदेश तथा सैन्य परंपरा एक दूसरे के पर्याय बन गए हैं। इन तमाम तत्वों एवं पहलुओं की पृष्ठभूमि को हरियाणा प्रदेश के लोकजीवन के संस्कारों तथा इन्हीं विषयों पर केंद्रित लोकगीतों से बखूबी समझा जा सकता है। इस वीर प्रसूता धरा के लोकगीतों में कहीं फौज में भर्ती होने की प्रेरणा है, तो कहीं कुल की आन निभाने का संकल्प, कहीं विरह वेदना के मार्मिक शब्दचित्र हैं, तो कहीं शहादत का भावपूर्ण मार्मिक चित्रण। इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है, एक चर्चित लोकगीत में यह भावभूमि कुछ इस प्रकार है-

*खाकी बड़दी पहर लई मनै, कर लिया हार सिंगार।*
*फौज म्हं चालूंगी ओ पिया, ले सारे हथियार।।*

इसी प्रकार एक अन्य लोकगीत में नवविवाहिता को विरह वेदना में छोड़कर फौज में भर्ती होने वाले नौजवान पति के प्रति उसकी मार्मिक भावनाएं मुखरित हुई हैं-

*हे री मेरी गळ की गळसरी बेच, पति नै घोड़ा ले लिया हे..!*
*वो तै दूर गया बेपरीता, जाय अंबाळा पोहंचा हे...*
*उनै गेरा जुबानी तार, माता ए हम तै भरती हो लिया हे..*
*मेरी सासू बुज्झै बात- बहू तेरा के के लेग्या हे...?*
*हे मेरा लेग्या हारसिंगार, चैन तै सारा लेग्या हे...*

**इन लोकगीतों के माध्यम से एक ओर जहां सैनिक परिवार की भावभूमि अक्षरशः चित्रित हुई है, वहीं सैनिक की अर्धांगिनी की सूक्ष्म मानवीय संवेदनाओं और गृह वेदना से जुड़े बहुआयामी पक्षों का जीवंत वर्णन मुखरित हुआ है। इन लोकगीतों की सबसे बड़ी खूबी है कि इनमें किसानी संस्कृति में रचे-बसे सैनिक परिवारों के संघर्ष की प्रेरक गाथा के साक्षात दर्शन होते हैं, जिसके चलते राष्ट्रीय चेतना पर केंद्रित हरियाणवी लोकगीतों को देश व प्रदेश की अनमोल थाती कहा जा सकता है। हरियाणा प्रदेश में देशभक्ति तथा वीरता के संस्कार मां द्वारा घुट्टी में ही दे दिए जाते हैं। यही कारण है कि सैनिक प्रदेश में युद्ध के लिए घर से विदा होते पति की अर्धांगिनी खुद भी बॉर्डर पर चलने की जिद करती है।**

*दिन की लेग्या भूख, रात की निंदिया लेग्या हे...*
*मेरा लेग्या हँसना-सुभाव, मनै उदासी दे गया हे...!!*

हरियाणा प्रदेश में पड़ोसी देशों के साथ हुए युद्धों पर भी कुछ लोकगीत प्रकाश में आए हैं। एक लोकगीत में एक बहन अपने फौजी भाई से युद्ध में पीछे कदम न हटाने की बात कहकर जोश भरती है -

*पापी दुसमन खड्या पहाड़ सा,खड्या-खड्या सब लुट्टै सै...!*
*म्हारे देस पै हमला कर दिया पापी पाकिस्तान नै..!*
*मत उलटा हटाइए रै, ओ माँ के जाए बीर...!!*

हरियाणा प्रदेश में आर्य समाज का अच्छा खासा प्रभाव रहा है, जिसके चलते यहां के लोकगीतों में आर्य समाज से जुड़ी भावभूमि, राष्ट्रीयता तथा संस्कारों की भावना देखी जा सकती है-

*आओ भाणो मिलकै सारी दयानंद की जै बोल्लो...!*
*आर्य समाज में आया करो, थम धक्के खाती मत डोल्लो...!*
*देस का मन बढ़ाणा सीखो,*
*पढ़णा और पढ़ाणा सीखो,*
*देस-धरम हो सबतै पहलम,*
*बच्चां नै समझाणा सीखो।*
*बलिदान नै सीस नवावो,*
*नहीं भूलकै कम तोल्लो..!*
*आओ भाणो मिलकै सारी,*
*दयानंद की जै बोल्लो...!!*

इस सैनिक संस्कृति तथा सामाजिक क्रांति की अलख के अलावा राष्ट्रपिता महात्मा गांधी, नेताजी सुभाष चंद्र बोस आदि से से जुड़े अनेक लोकगीत राष्ट्रीय चेतना के पर्याय कहे जा सकते हैं।

हरियाणा के लोकगीतों में शहादत के बेहद मार्मिक पक्ष भावविभोर कर देते हैं। राष्ट्रीय चेतना के सच्चे संवाहक इन लोकगीतों से हरियाणा की वीरभूमि की कुर्बानियों का मर्म सहज ही समझा जा सकता है। एक ऐसे ही लोकगीत की बानगी-

*वा काढ़ जनाना,ले मर्दाना,हुई सीम की राही।*
*बाबूजी मनै पिया मिला दे,सूरत सिंह की ब्याही।*
*ऐ रोवा मत ना बेटी बावळी, रोया ना करिए। जिसकी खूज्या चीज रेत म्हं,टोह्या ना करिए।*
*क्यूं ना टोहूं चीज रेत म्हं,हिंद पै ज्यान गँवाई..!*
*क्यूंकर सबर करूं बाबूजी,सगी नणद का भाई...!!*

कुल मिलाकर ऐसे सैकड़ों लोकगीत हरियाणा प्रदेश की सैन्य संस्कृति तथा शहादत परंपरा के प्रमाण होने के साथ पीढ़ी दर पीढ़ी राष्ट्रीय चेतना के अनूठे माध्यम बनाकर इस वीर भूमि की सांस्कृतिक विरासत को समृद्ध करते आ रहे हैं। राष्ट्रीय चेतना के पक्षधर, पोषक व सजग प्रहरी इन अनमोल लोकगीतों पर अभी बहुत कार्य होना बाकी है।

जरूरत इस बात की है कि हरियाणा प्रदेश के राष्ट्रीय चेतना पर आधारित ऐसे सभी लोकगीतों को एकत्रित कर उन पर शोध कार्य करते हुए प्रदेश की सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण एवं संवर्धन हेतु कार्य किया जाए।

कविता

## सुधीर ढांडा



### बँधी हो जैसे डोर तै पतंग

तू सै मेरे दिल की उमंग,
बँधी हो जैसे डोर तै पतंग,
साँसे तेरी महकती ऐसे,
जैसे फैली सै हवा मै तरंग।

कमर तेरी यूँ बल खावै ,
जैसे लहरावै खेत मै भुजंग।
मुँह बटवा सा, नाक सुवा सा ,
हो नै जावै तेरी किसे तै जंग।

आँख याँ तेरी मोटी मोटी,
हो जैसे कोई डूंगी सुरंग।
सम्भल कर निकलणा घर तै,
कदे पाछै पड़ जै कोई मलंग।

हर मोड़ मै इब रावण खडे सै,
कर देवेंगे तैनै आँदी जांदी नै तंग।
पता नी कितने होए सै घायल,
देख कै तेरा यूँ सांवला रंग।

हेमा, रेखा, काजल, सब फीकी पड़गी,
देख कै तेरे इस फैशन का ढंग।
क्यूँ भटकै सै छोरी तू इधर उधर,
जोड़ी बणा ले सुधीर कौल के संग

गीत

## दलबीर 'फूल'



### बचाल्यो हरियाणा रै

या पछवा बाळ करै कमाल, लेकै खास उडारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी

हरियाणा के जमिंदार सदा मसत रहया करते
सरदी, गरमी, बरसा सारी तन पै सहया करते
मुहंकै ऊप्पर साच्ची-साच्ची बात कहया करते
मात पिता गुरुजनों की सदा सीख लहया करते
आदर मान उड़ा लेग्यी ईब चालैं तेग दुधारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..1

मंहगाई सिर चढकै बोल्ली ना कोय भी मोल रहे
डब्बा बंध पैकिंग होग्यी ना पहले आळे तोल रहे
भाई-भाई इब दुश्मन होग्ये नही प्यार के बोल रहे
दामण चीर ओढणा आंगी ना पांया मैं रमझोळ रहे
ना वो नेजू डोल रहये ना कूवे की पणिहारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...2

फागण के मैं गाई जा वो धमाल ना रही
लहरा बीन किलांट की सुर ताल ना रही
पिच्चू, पींहल, खूग्यी सारी, वो जाळ ना रही
सस्ता भोजन गरीब की वो दाळ ना रही
सटाल ना रही वो पिछली, बदल गये पंसारी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी..3

बड़ पिपळ मैं घाल पींघ छोहरी पींघ चढाया करती
सखी सहेली मिलकै सिंझया झोड़ तिराया करती
सुहाग भाग की खात्यर सब कात्यक नहाया करती
मेरा नो डाण्डी का बीजणा लोक गीत गाया करती
ईब गावैं सीला की जवानी ईलू - ईलू कवांरी
हरियाणे की संस्कृति कै या लाग्यी,कती बुहारी...4

haribhoomisahitya@gmail.com पर आप अपनी रचनाएं भेज सकते हैं।

विरासत

## हमारी रसोई का पारंपरिक बर्तन हुआ करती थी ग्रामीण जीवन की एक भूली-बिसरी पहचान

# पलिया : दूध की हर बूंद का हिसाब रखने वाला पारंपरिक बर्तन



जनजीवन

रवि यादव

कभी गांव के कच्चे घरों की दीवारों पर टंगी छोटी-बड़ी वस्तुएं केवल घरेलू सामान नहीं हुआ करती थीं, बल्कि वे हमारी जीवनशैली, परंपराओं और ग्रामीण अर्थव्यवस्था की जीवंत गवाह भी थीं। ऐसी ही एक वस्तु है पळिया, जिसे हरियाणा के अलग-अलग क्षेत्रों में पला, पळि या पळिया जैसे नामों से जाना जाता रहा है।

बिना लिपाई-पुताई वाली किसी कच्ची दीवार में गाड़ी गई कील पर टंगा यह छोटा-सा धातु का बर्तन आज भले ही सामान्य लगे, लेकिन चार-पांच दशक पहले ग्रामीण जीवन में इसका विशेष महत्त्व हुआ करता था। चालीस-पचास वर्ष की आयु पार कर चुके लोगों के लिए यह बर्तन बचपन की उन स्मृतियों को ताजा कर सकता है, जब घर में दूध की कढ़ावनी चढ़ती थी और परिवार के प्रत्येक सदस्य तक दूध पहुंचाने की जिम्मेदारी घर की बुजुर्ग महिलाओं के कंधों पर होती थी।

### पशुधन और दूध से जुड़ा था ग्रामीण जीवन

चार-पाँच दशक पहले हरियाणा के अधिकांश ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या खेती और पशुपालन के इर्द-गिर्द घूमती थी। गाय, भैंस और बैल केवल पशु नहीं, बल्कि परिवार की आर्थिक व्यवस्था का महत्त्वपूर्ण हिस्सा हुआ करते थे। घर में दुधारू पशु होना समृद्धि और आत्मनिर्भरता का प्रतीक माना जाता था। सुबह-शाम दूध दुहना, उसे गर्म करना, बच्चों को पिलाना, दही जमाना, मक्खन निकालना और घी तैयार करना ग्रामीण महिलाओं की नियमित दिनचर्या में शामिल था। घर का दूध, घर का दही और घर का घी परिवार की जरूरतों को पूरा करते थे। इसी दूध-केंद्रित घरेलू व्यवस्था में पळिया जैसे छोटे बर्तन की अपनी उपयोगिता थी।

### बड़े कुनबे और माताओं का अपना गणित

उस समय परिवार बड़े हुआ करते थे। एक ही घर में दादा-दादी, माता-पिता, चाचा-चाची और कई बच्चे साथ रहते थे। रसोई की जिम्मेदारी मुख्य रूप से महिलाओं के पास होती थी। परिवार के प्रत्येक सदस्य की जरूरत का ध्यान रखना आसान काम नहीं था। सीमित साधनों के बावजूद घर की बुजुर्ग महिलाएं अपने अनुभव और समझ से पूरी व्यवस्था संभालती थीं। वे अनपढ़ भले ही रही हों, लेकिन घरेलू प्रबंधन में उनका अनुभव किसी गणितज्ञ से कम नहीं था। किस बच्चे को कितना दूध देना है, किसके लिए रोटी बचाकर रखनी है और सुबह के दूध में से शाम तक की जरूरत कैसे पूरी करनी है, इसका हिसाब उन्हें अच्छी तरह मालूम रहता था। न कोई लिखित सूची, न कोई कैलकुलेटर और न ही माप-तौल के आधुनिक उपकरण। अनुभव ही उनका सबसे बड़ा ज्ञान था। ऐसे ही घरेलू गणित को आसान बनाने में पळिया महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता था। यह केवल दूध निकालने का साधन नहीं था, बल्कि बड़े परिवार की रसोई व्यवस्था का एक उपयोगी हिस्सा था। ग्रामीण घरों में दूध गर्म करने के लिए प्रायः



मटकेनुमा कढ़ावनी का इस्तेमाल किया जाता था। इसे चूल्हे या हारे में रखकर दूध गर्म किया जाता था। रात को जब चूल्हे पर रोटियां बनतीं, तब घर के बच्चों को खाना खिलाने का क्रम शुरू होता था। उस समय आज की तरह हर घर में अनेक प्रकार की सब्जियां और व्यंजन बनाने का चलन सामान्य नहीं था। रोटी, दूध, दही, छाछ और घर में उपलब्ध दूसरी चीजें ही भोजन का आधार होती थीं। कढ़ावनी से सीधे दूध निकालना सुविधाजनक नहीं था। उसका आकार और गर्मी, दोनों ही इस काम को कठिन बना सकते थे। ऐसे में पळिया काम आता था। इसकी बनावट कुछ ऐसी होती थी कि इसे कढ़ावनी में डालकर दूध निकाला जा सकता था। इसकी लंबी डंडी पकड़ने में सहायक होती थी और हाथ को गर्म बर्तन की आंच से अपेक्षाकृत दूर रखती थी। घर की बुजुर्ग महिला पळिया को पकड़कर कढ़ावनी में डालती, दूध निकालती और फिर परिवार के सदस्यों के बर्तनों में उनकी आवश्यकता के अनुसार दूध डाल देती।

### दूध मापने का देसी तरीका

पळिया की उपयोगिता का एक महत्त्वपूर्ण पक्ष यह भी था कि उससे दूध की मात्रा का अनुमान लगाना आसान हो जाता था। आकार के अनुसार एक बार में पाव भर या उससे कुछ कम-ज्यादा दूध निकाला जा सकता था। यह मात्रा बर्तन के आकार पर निर्भर करती थी। इस प्रकार घर में दूध बाँटने के लिए अलग-अलग माप के उपकरणों की आवश्यकता नहीं पड़ती थी। आज बाजार में दूध मापने के लिए विभिन्न प्रकार के मापक बर्तन और आधुनिक उपकरण उपलब्ध हैं, लेकिन उस समय घरेलू जरूरतों के लिए पळिया जैसा साधन ही पर्याप्त था।

### दूध तक सीमित नहीं था इसका उपयोग

पळिया का इस्तेमाल केवल दूध निकालने के लिए ही नहीं होता था। इसकी लंबी डंडी और छोटी कटोरीनुमा बनावट इसे दूसरे घरेलू कामों के लिए भी उपयोगी बनाती थी। थोड़ी-सी मात्रा में सरसों का तेल गर्म करना हो या दीपक की ज्योत जलाने के लिए घी गर्म करना हो, ऐसे अवसरों पर भी इसका प्रयोग किया जा सकता था। उस दौर में घरों में हर काम के लिए अलग-अलग बर्तन उपलब्ध नहीं होते थे। उपलब्ध वस्तुओं का अधिकतम उपयोग करना ग्रामीण जीवन की विशेषता थी। किसी बर्तन को बेकार छोड़ने के बजाय उससे कई तरह के काम लिए जाते थे। पळिया भी इसी उपयोगितावादी सोच का हिस्सा था।

### लोहारों की आजीविका का साधन

पळिया हमारी ग्रामीण अर्थव्यवस्था के उस स्वरूप की भी याद दिलाता है, जिसमें गाँव के अलग-अलग कारीगर एक-दूसरे की जरूरतें पूरी करते थे। लोहार लोहे के औजार और घरेलू उपयोग की वस्तुएँ बनाते थे। कुछ क्षेत्रों में पळिया लोहे के अलावा पीतल या अन्य धातुओं से भी बनाया जाता था। लोहारिन गाँवों में अपने हाथों से बनाए बर्तन और दूसरी वस्तुएं बेचने आती थीं। इस तरह श्रम, कौशल और घरेलू जरूरतों के बीच एक पारस्परिक संबंध बना हुआ था।

### विरासत को सहेजना जरूरी

हमारी ग्रामीण विरासत केवल हवेलियों, पुराने कुओं, तालाबों और ऐतिहासिक इमारतों तक सीमित नहीं है। रसोई के पुराने बर्तन, खेती के औजार, पशुपालन में काम आने वाली वस्तुएँ और घरों में प्रयोग होने वाले पारंपरिक उपकरण भी हमारी सांस्कृतिक धरोहर का हिस्सा हैं। पळिया जैसी वस्तुओं को सहेजने का अर्थ केवल पुराने बर्तनों को जमा करना नहीं, बल्कि उस जीवन-पद्धति को समझना है जिसमें कम साधनों में अधिक काम किया जाता था। इनके माध्यम से नई पीढ़ी जान सकती है कि हमारे पूर्वज किस प्रकार अपनी आवश्यकताओं को पूरा करते थे, स्थानीय कारीगरों की क्या भूमिका थी और परिवार तथा पशुधन एक-दूसरे से किस प्रकार जुड़े हुए थे।

# अभिषेक पंडित ने बैकग्राउंड म्यूजिक से बनाई विशेष पहचान



कलाकार

पुनित शर्मा



अभिषेक पंडित भारतीय संगीत जगत के एक प्रतिष्ठित पार्श्व संगीत निर्माता, संगीतकार और साउंड इंजीनियर हैं। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ जिले में जन्मे अभिषेक की प्रारंभिक शिक्षा वहीं हुई तथा उन्होंने राजस्थान बोर्ड से 12वीं की परीक्षा उत्तीर्ण की। बचपन से ही उनकी रुचि संगीत में थी और वे पांचवीं कक्षा से ही तबला बजाने लगे थे। हालांकि उनके परिवार का संगीत से कोई दूर-दूर तक नाता नहीं था और माता-पिता चाहते थे कि वे पढ़ाई-लिखाई करके एक इंजीनियर बनें। इसके बावजूद अभिषेक ने अपने भीतर के जुनून का अनुसरण किया और संगीत को ही अपने जीवन का मुख्य लक्ष्य बनाने का निर्णय लिया।

पढ़ाई में भी वे काफी प्रतिभाशाली थे। 12वीं के बाद उन्होंने छत्तीसगढ़ में मास्टर ऑफ कंप्यूटर एप्लीकेशन में प्रवेश लिया। कॉलेज के इसी दौर में उन्होंने कीबोर्ड बजाना शुरू किया और विभिन्न मंचीय कार्यक्रमों (स्टेज शो) में सक्रिय रूप से भाग लेने लगे। छत्तीसगढ़ की समृद्ध और पुरानी संगीत परंपरा से जुड़कर उन्होंने वहां की स्थानीय संगीत इंडस्ट्री में एक कीबोर्ड प्लेयर के रूप में कार्य किया तथा अनेक लोकप्रिय गीतों की रिकॉर्डिंग में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया। इस सफर के दौरान अभिषेक महान संगीतकार एवं गायक रवीन्द्र जैन को अपना आदर्श मानने लगे। वहीं उनके व्यक्तिगत गुरु के रूप में श्याम सारथी का मार्गदर्शन मिला, जो छत्तीसगढ़ फिल्म उद्योग में एक संगीत निर्देशक थे। उन्होंने प्रसिद्ध संगीतकार जोड़ी लक्ष्मीकांत-प्यारेलाल के साथ गिटार वादन कर चुके रुपेंद्र श्रीधर से भी संगीत की गहन तालीम हासिल की। इन सभी गुरुओं के सान्निध्य में रहकर उन्होंने बीजीएम निर्माण, म्यूजिक स्कोरिंग और इंस्ट्रूमेंट अरेंजमेंट की बारीकियों को समझा। उन्होंने लगभग दो वर्षों तक ओड़िया संगीत उद्योग में कार्य किया और कई फिल्मों के लिए ट्रैक तथा संगीत तैयार किए। इसी कार्य अनुभव के दौरान उन्हें यह अहसास हुआ कि आज के डिजिटल युग में तकनीकी ज्ञान होना भी उतना ही आवश्यक है। वर्ष 2003 से वे पेशेवर रूप से संगीत क्षेत्र में सक्रिय हो गए। कंप्यूटर और आधुनिक डिजिटल तकनीकों के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग सीखने का निर्णय लिया और इसके लिए चेन्नई चले गए। चेन्नई में उन्होंने टी. एन. दास के सहायक के रूप में कार्य किया, जहाँ उन्होंने ऑडियो रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग, साउंड डिज़ाइन और आधुनिक स्टूडियो सेटअप से जुड़ी तकनीकों का व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया। लगभग दो वर्षों तक चेन्नई में कड़ा प्रशिक्षण लेने के बाद उनकी पहली पेशेवर नौकरी गोरखपुर के एक म्यूजिक स्टूडियो में लगी। इसके बाद वे दिल्ली आ गए और वहां भी संगीत एवं ऑडियो प्रोडक्शन के क्षेत्र में अपनी सेवाएं दीं। कुछ समय पश्चात वे मुंबई पहुंच गए, जहाँ उन्हें एक प्रतिष्ठित ऑडियो कंपनी में

**हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने चौधर 2, सेफ हाउस 2, छापा, घूंघट, कच्छाधारी और 15 दिन जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया।**

कार्य करने का अवसर मिला। मुंबई में रहते हुए उन्होंने साउंड इंजीनियरिंग संस्थानों में अध्यापन भी किया और कई फिल्मों की ऑडियो तथा बैकग्राउंड म्यूजिक परियोजनाओं में अपना योगदान दिया। अपने करियर के दौरान उन्होंने हिंदी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ और मराठी जैसी विभिन्न भाषाओं की फिल्मों में बीजीएम और साउंड डिज़ाइन का कार्य किया है। वर्ष 2014 में वे अपने गृह नगर अलीगढ़ लौटे। इसी दौरान उनके एक मित्र के माध्यम से उनकी मुलाकात रोहतक में फिल्म से जुड़े निर्देशक से हुई। इसी दौरान उनकी मुलाकात रोहतक में प्रसिद्ध शास्त्रीय गायिका और प्रोफेसर कविता सोभू से हुई। पहली ही मुलाकात में दोनों के बीच जुड़ाव हुआ और वर्ष 2016 में उनका विवाह संपन्न हुआ। हरियाणा के संगीत जगत में कविता सोभू का नाम बेहद आदर के साथ लिया जाता है; वे चौधरी रणबीर सिंह विश्वविद्यालय में संगीत विषय की प्रोफेसर हैं। विवाह के पश्चात कुछ समय के लिए अभिषेक वापस मुंबई चले गए, लेकिन नोटबंदी के बाद वे पुनः हरियाणा लौट आए।

हरियाणा में उन्होंने स्थानीय संगीत जगत को आधुनिक रिकॉर्डिंग, मिक्सिंग और ऑडियो तकनीक से जोड़ने में योगदान दिया। उन्होंने कई स्टूडियो को तकनीकी मार्गदर्शन, सॉफ्टवेयर और आधुनिक सेटअप उपलब्ध कराने में सहयोग किया। हरियाणा फिल्म उद्योग में "दिल हो गया लापता" से बीजीएम की शुरुआत करने के बाद अभिषेक पंडित ने "चौधर 2", "सेफ हाउस 2", "छापा", "घूंघट", "कच्छाधारी" और "15 दिन" जैसी कई परियोजनाओं में संगीत दिया। अब तक वे लगभग 18 फिल्मों और वेब सीरीज़ के लिए संगीत दे चुके हैं। उनकी सफलता के पीछे वर्षों का संघर्ष रहा। आर्थिक कठिनाइयों के बीच उन्होंने दिल्ली में बैंड और चेन्नई के पार्क होटल में डीजे के रूप में काम किया। वर्तमान में वे हरियाणा के जींद में अपने स्वयं के स्टूडियो का संचालन कर रहे हैं।

## खबर संक्षेप

### 1.31 लाख की साइबर ठगी में एक गिरफ्तार

रेवाड़ी। साइबर थाना पुलिस ने एक कंपनी कर्मचारी का मोबाइल फोन हैक करके उसके बैंक खातों से करीब 1 लाख 31 हजार रुपये उड़ाने के मामले में राजस्थान के कृष्ण कुमार को काबू कर लिया है। निवासी विवेक ने पुलिस को दी शिकायत में बताया था कि वह बावल की एक कंपनी में नौकरी करता है। गत 4 अक्टूबर को जब वह कंपनी में था तो उसके फोन पर एक मैसेज आया, जिसके बाद उसका फोन हैक हो गया तथा कुछ देर में उसके दो बैंक खातों से 1 लाख 31 हजार 866 रुपये कट गए। पुलिस ने शनिवार को मामले में संलिप्त एक आरोपी कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर लिया है।

### शरद पूर्णिमा पर मंदिरों में हुआ भजन-कीर्तन

रेवाड़ी। शरद पूर्णिमा के अवसर पर रविवार को शहर के विभिन्न मंदिरों व आश्रमों में सामाजिक व धार्मिक संस्था तथा समाजसेवियों की ओर से भगवान विष्णु व मां लक्ष्मी की पूरे विधि-विधान के अनुसार पूजा अर्चना की गई। आयोजन में बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। महिलाओं ने भी भजन कीर्तन का भी आयोजन किया। शाम के समय चंद्रमा देखने व पूर्णिमा की रात में खीर बनाकर रखने की व्यवस्था में भी मंदिरों का प्रबंधन करने वाली संस्थाएं जुटी रही।

## पुलिस की ओर से जिलेभर में हुईं फुटबॉल, कुश्ती व वालीबॉल प्रतियोगिताएं

# जीवन में लक्ष्य और अनुशासन के प्रति समर्पण सिखाते हैं खेल : रणबीर सिंह

**पुलिस का नशा छोड़ो-खेलों से नाता जोड़ों का संदेश, सामाजिक बुराइयों से दूर रखने की मुहिम तेज**

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

पुलिस की ओर से जिले को पूर्णतः नशा मुक्त बनाने के उद्देश्य से व्यापक स्तर पर जागरूकता अभियान चलाए जा रहे है। मुहिम के तहत पुलिस की ओर से गांवों और थाना स्तर पर खेल प्रतियोगिताओं और जन-जागरूकता कार्यक्रमों का लगातार आयोजन किया जा रहा है। पुलिस की इस पहल का मुख्य उद्देश्य युवाओं की ऊर्जा को सही दिशा में मोड़ना और उन्हें नशा छोड़ो-खेलों से नाता जोड़ो के संदेश के साथ सामाजिक बुराइयों से दूर रखना है। अभियान के तहत जिले के विभिन्न थाना क्षेत्रों में पुलिस टीमों की देखरेख में खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिनमें स्थानीय युवाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया।





रेवाड़ी। खिलाड़ियों से परिचय करते हुए पुलिस अधिकारी व वालीबॉल प्रतियोगिता में खेलते हुए युवा।

### पुलिस अधिकारियों ने युवाओं को दिया प्रेरक संदेश

आयोजन के दौरान पुलिस अधिकारियों ने युवाओं, ग्रामीणों एवं विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि नशा न केवल व्यक्ति के शरीर को खोखला करता है, बल्कि पूरे परिवार और समाज को विनाश की ओर ले जाता है। उन्होंने कहा कि युवा हमारे देश और समाज का भविष्य हैं। जिले के किसी भी युवा को नशे की गर्त में धकेलने वाले असामाजिक तत्वों को बख्शा नहीं जाएगा। खेल न केवल शारीरिक व मानसिक स्वास्थ्य को मजबूत बनाते हैं, बल्कि जीवन में अनुशासन और लक्ष्य के प्रति समर्पण भी सिखाते हैं। युवाओं को नशे जैसी सामाजिक बुराई को त्यागकर खेलों से अपना नाता जोड़ना चाहिए। इस मौके पर प्रतियोगिताओं के विजेता एवं उप-विजेता टीमों तथा खिलाड़ियों को प्रोत्साहित किया। ग्रामीणों, स्कूल प्रशासन व युवाओं ने पुलिस की इस पहल की प्रशंसा की तथा विश्वास दिलाया कि वे अपने गांवों तथा जिले को नशा मुक्त बनाने में पूर्ण सहयोग देंगे। पुलिस अधिकारियों ने लोगों से अपील करते हुए कहा कि यदि आपके आसपास कोई व्यक्ति नशा बेचता है या नशे के अवैध कारोबार में संलिप्त है, तो उसकी सूचना तुरंत पुलिस को डायल 112 में सूचना दें।

### इन गांवों में हुई विभिन्न खेल स्पर्धा

प्रबंधक थाना बावल इंस्पेक्टर रणवीर सिंह व उनकी पुलिस टीम की ओर से बावल क्षेत्र के गांव बालावास जाट में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने खेल भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया। एसएचओ थाना सदर पीएसआई राकेश व उनकी टीम ने दो अलग-अलग गांवों में खेल आयोजन किए। गांव लिसाना में पारंपरिक कुश्ती प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसके अलावा गांव फिदेड़ी में वालीबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया। एसएचओ थाना रोहड़ाई एसआई गिरिराज व उनकी पुलिस टीम की ओर से गवर्नमेंट स्कूल गांव करावरा मानकपुर में फुटबॉल प्रतियोगिता का आयोजन कराया गया।

## न्यूज डायरी



### जनता अपने लोकतांत्रिक अधिकारों की रक्षा के लिए सड़क पर उतरने को तैयार: लिलोठिया

रेवाड़ी। जिला कांग्रेस कार्यालय ग्रामीण में रविवार को प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। इस मौके पर अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के जोन प्रभारी राजेश लिलोठिया, जिला प्रभारी एवं नांगल चौधरी विधायक मंजू चौधरी तथा कांग्रेस जिलाध्यक्ष ग्रामीण सुभाष छावड़ी ने पार्टी की आगामी रणनीतियों की जानकारी साझा की। नेताओं ने संगठन के आगामी अभियान वोट चोर, गद्दी छोड़ और 1 नवंबर को दिल्ली रामलीला मैदान में आयोजित होने वाली महारैली की तैयारियों व उसके मुख्य उद्देश्यों पर चर्चा की। चुनावी पारदर्शिता और एसआईआर के खिलाफ महारैली जोन प्रभारी राजेश लिलोठिया कहा कि 1 नवंबर को नई दिल्ली के ऐतिहासिक रामलीला मैदान में वोट बचाओ, देश बचाओ महारैली का आयोजन किया जाएगा। जिलाध्यक्ष सुभाष छावड़ी ने आह्वान किया कि ग्रामीण का प्रत्येक कांग्रेस कार्यकर्ता आंदोलन में बढ़-चढ़कर हिस्सा ले।



### कांग्रेसियों ने फूंका मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला, वोट चोर-गद्दी छोड़ के लगाए नारे

कोसली। जाटूसाना ब्लॉक के गांव बेरली कलां के बस स्टैंड पर कांग्रेसी कार्यकर्ताओं ने मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ रोष प्रदर्शन किया। कार्यकर्ताओं ने वोट चोर-गद्दी छोड़ के नारे लगाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त का पुतला फूंककर विरोध जताया। इस मौके पर एआईसीसी प्रभारी राजेश लिलोठिया, पूर्व कैबिनेट मंत्री जगदीश यादव, जिला ग्रामीण अध्यक्ष सुभाष छावड़ी और पूर्व जिला अध्यक्ष दीवान सिंह चौहान सहित अनेक कांग्रेसी नेता मौजूद थे। इस मौके पर पूर्व मंत्री जगदीश यादव ने कहा कि भाजपा और मुख्य चुनाव आयुक्त मिलकर वोट चोरी को अंजाम दे रहे है। उन्होंने चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता पर सवाल उठाते हुए मुख्य चुनाव आयुक्त से इस्तीफा देने की मांग की। उन्होंने कहा कि भाजपा के साथ मिलकर मुख्य चुनाव आयुक्त का वोट चोरी करना देश के मतदाताओं के अधिकारों के साथ धोखा है।



### सेवानिवृत्त रेलवे कर्मचारियों का 8वें वेतन आयोग के खिलाफ प्रदर्शन 14 नवंबर को

रेवाड़ी। सेवानिवृत्त एसोसिएशन ऑफ रेलवे जिला शाखा की मासिक सभा रविवार को रेलवे कॉलोनी स्थित श्रीराम मंदिर रेलवे ड्रामेटिक क्लब परिसर में आयोजित हुई, जिसमें 8वें वेतन आयोग को लेकर चर्चा की गई। वक्ताओं ने कहा कि भारत सरकार की ओर से पेंशनर्स एवं परिवारिक पेंशनर्स को 8वें वेतन आयोग में कार्यरत कर्मचारियों से अलग कर दिया हैं। उन्होंने कहा कि 8वें वेतन आयोग में पेंशनर्स एवं परिवारिक पेंशनर्स जो एक जनवरी 2026 से पहले सेवानिवृत्त हुए हैं, उनकी पेंशन का पुनर्निधारण नहीं किया जाएगा, जबकि अभी तक आए सभी वेतन आयोग की ओर से पेंशन पुनर्निधारण का लाभ दिया गया हैं, जिसके कारण सेवानिवृत्त कर्मचारियों एवं परिवारिक पेंशनर्स में काफी रोष हैं। बैठक में सेवानिवृत्त एसोसिएशन ऑफ रेलवे ने निर्णय लिया कि बीकानेर मंडल की रेवाड़ी, हिसार, सिरसा, चूरू एवं बीकानेर शाखा 14 नवंबर क उप मंडल रेलवे अस्पताल रेलवे कॉलोनी के पास 8वें वेतन आयोग के खिलाफ करेगी।

### कार्तिक माह में भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की आराधना का विशेष महत्व



रेवाड़ी। सनातन धर्म में हर माह का एक महत्व होता है। इन्हीं में से एक कार्तिक माह को भी पवित्र माह में गिना जाता है। मान्यता है कि कार्तिक माह में भगवान विष्णु योगनिद्रा से जागते हैं। इस माह में जो भक्त श्रद्धा और नियमानुसार पूजा-पाठ करते हैं, उन पर भगवान विष्णु, श्रीकृष्ण और माता लक्ष्मी की कृपा बनी रहती हैं। भजन, स्नान-दान, दीपदान और तुलसी पूजा जैसे रीति रिवाज को महत्व दिया जाता है। इन रीति रिवाजों को करके पुण्य की प्राप्ति होती है और पापों का नाश होता है। इसके साथ ही, जीवन में सुख और शांति बनी रहती है। ज्योतिषाचार्य डा. अजय शास्त्री ने बताया कि सोमवार से कार्तिक माह का शुभारंभ होने जा रहा है, जो आगामी 24 नवंबर कार्तिक पूर्णिमा तक रहेगा। इस माह में भगवान विष्णु और श्रीकृष्ण की आराधना का विशेष महत्व बताया गया है।

### अनुसूचित जाति के व्यक्तियों को दिया जा रहा ऋण, 31 दिसंबर तक करें आवेदन



रेवाड़ी। हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की ओर से अनुसूचित जाति के बेरोजगार व्यक्तियों को स्वरोजगार स्थापित करने के उद्देश्य से विभिन्न ऋण योजनाओं के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। ऋण आवेदन करने की अंतिम तिथि 31 दिसंबर निर्धारित की गई है। एडीसी राहुल मोदी ने बताया कि योजनाओं के माध्यम से पात्र व्यक्तियों को विभिन्न आय अर्जित करने वाली गतिविधियां शुरू करने के लिए 2 लाख रुपए तक का ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा अनुसूचित जाति वित्त एवं विकास निगम की योजनाओं का लाभ लेने के लिए आवेदक की परिवार पहचान पत्र के अनुसार वार्षिक पारिवारिक आय 3 लाख रुपए तक होनी चाहिए। आवेदक की आयु 18 से 45 वर्ष के बीच तथा हरियाणा राज्य का स्थायी निवासी होना आवश्यक है। इसके अतिरिक्त आवेदक किसी बैंक, सरकारी वित्तीय संस्था अथवा निगम का पूर्व से ऋणी या डिफाल्टर नहीं होना चाहिए।



रेवाड़ी। बच्चों को सम्मानित करते सभा के पदाधिकारी व सदस्य।

## अखिल ब्राह्मण वृहत सभा ने मेधावियों का किया सम्मान

कोसली। कोसली के जुड्डी रोड़ स्थित भगवान परशुराम भवन में रविवार को अखिल ब्राह्मण वृहत सभा की ओर से प्रतिभा सम्मान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता प्रधान गोपीचन्द शर्मा ने की। सभा की ओर से झज्जर जिले के रेढूवास गांव निवासी तथा राजकीय मॉडल संस्कृति सीनियर सैकेंडरी स्कूल की छात्रा अंजु शर्मा को सीबीएसई की ओर से अखिल भारतीय स्तर पर पटियाला में आयोजित हुई खेलकूद प्रतियोगिता के अंडर-17 आयु वर्ग में ट्रिपल जंप में गोल्ड मेडल प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। वही कार्तिक शर्मा को 10+2 विज्ञान संकाय में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करने व भारत शर्मा को 10वीं कक्षा में 96 प्रतिशत अंक प्राप्त करने पर सम्मानित किया गया। सभा के उपप्रधान सतपाल शास्त्री ने समाज के होनहार बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की तथा बच्चों को संस्कारवान बनाने का आह्वान किया। इस अवसर पर बनारसी लाल शर्मा, ओमप्रकाश, रामकिशन,महाबीर शर्मा, ऋषिराज, रमेश कौशिक, नकुल देवशास्त्री, दयानंद, धर्मबीर शर्मा व 36 खाप ब्राह्मण सभा के सचिव रामौतार उपस्थित थे।

## मोबाइल का अधिक प्रयोग हानिकारकः भारद्वाज

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हमारा परिवार संस्था की ओर से रविवार को आशियाना वृद्धाश्रम में स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर वृद्धाश्रम के प्रधान दिनेश राजपाल, शिक्षाविद प्राचार्य राजेंद्र सिंह यादव, समाजसेवी अजय भारद्वाज सेवानिवृत्त सीआईडी इंस्पेक्टर व संस्था के संयोजक दिनेश कपूर ने कहा कि मोबाइल अपने आप में उपयोगी उपकरण है, परंतु इसका आवश्यकता से अधिक प्रयोग हानिकारक बन जाता है। छोटे बच्चों को ज्यादा समय तक मोबाइल देखने के कारण आंखों पर चश्मा चढ़ रहा है। ऑनलाइन गेमिंग की लत से अनेकों युवा अपना बहुत सा धन लुटा बैठे हैं। रात को सोते समय मोबाइल को अपने निकट रखकर सोने से उसके अंदर से निकलने वाली हानिकारक किरणें मस्तिष्क को कमजोर कर रही है, जिससे व्यक्ति डिप्रेशन व चिड़चिड़ेपन का शिकार हो जाता है। लंबे समय तक मोबाइल पर रील्स देखने से मस्तिष्क में डोपामाइन नाम का द्रव्य बनने लगता है, उससे जीवन में ध्यान में कमी, स्मरण शक्ति कमजोर होना व पैरालिसिस जैसे गंभीर खतरों का भी शिकार हो सकता है। संस्था के प्रधान अरुण गुप्ता व श्रीराम युवा शाखा के प्रधान सीए जतिन सैनी ने कहा कि मोबाइल की लत से बचने का उपाय है।



रेवाड़ी। अतिथियों का सम्मान करते हुए आयोजक।

### तान्या भारद्वाज ने मोबाइल के सदुपयोग पर सुनाई कविता

इससे जीवन रचनात्मकता की ओर अग्रसर होता है। भजन गायिका सोनिया पोपली, महिला प्रधान निशा सीकरी व सोनिया कपूर ने रामायण बने न श्री राम के बिना' भजन सुनाया। महिला संयोजक शशि जुनेजा व हेल्थ एंड वेलनेस कोच डॉ. सपना यादव ने सभी को आसन व प्राणायाम का अभ्यास कराया। नन्ही बच्ची तान्या भारद्वाज ने मोबाइल के सदुपयोग पर कविता सुनाई। उल्लेखनीय सेवाओं के लिए उपप्रधान हेमंत गोवर, समाज सेवी सुदर्शन मेहंदीरत्ता, पर्यावरण सेवी राजेंद्र गेरा, सत्यव्रत शास्त्री व राम रतन यादव को सम्मानित किया गया। संस्था की ओर से अतिथियों को राम दरबार, मां दुर्गा व भगवान शिव के चित्र भेंट किए गए।

## एआई से आवाज की नकल कर लोगों से हो रही साइबर ठगी

■ एसपी हेमेंद्र कुमार मीणा बोले, साइबर ठगी के मामलों में घबराने के बजाय पूरी सतर्कता बरतना आवश्यक

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

जिला पुलिस कप्तान हेमेंद्र कुमार मीणा ने आमजन से एआई वोइस एवं डीपफेक स्कैम से सतर्क रहने की अपील की है। एसपी ने कहा कि साइबर अपराधी अब कृत्रिम बुद्धिमत्ता का दुरुपयोग कर लोगों की आवाज की हूबहू नकल तैयार कर ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे हैं। ऐसे मामलों में घबराने के बजाय पूरी सतर्कता बरतना आवश्यक है।

उन्होंने बताया कि साइबर ठग सोशल मीडिया, वीडियो या ऑडियो क्लिप से किसी व्यक्ति की आवाज लेकर अक तकनीक की मदद से उसकी बिल्कुल मिलती-जुलती आवाज तैयार कर लेते हैं। इसके बाद वे परिजन, मित्र, अधिकारी या परिचित बनकर फोन करते हैं और किसी दुर्घटना, अस्पताल, पुलिस कार्रवाई या अन्य आपात स्थिति का बहाना बनाकर तुरंत पैसे भेजने का दबाव बनाते हैं। उन्होंने कहा कि कई मामलों में अपराधी स्वयं को किसी वरिष्ठ अधिकारी, सरकारी कर्मचारी या रिश्तेदार के रूप में प्रस्तुत कर भावनात्मक दबाव बनाते हैं, जिससे लोग बिना सत्यापन किए ही पैसे ट्रांसफर कर देते हैं।

### पुलिस की ओर से जारी सावधानियां



किसी भी फोन कॉल पर केवल आवाज सुनकर पैसे ट्रांसफर न करें। यदि कोई परिचित या रिश्तेदार पैसे मांगता है तो पहले उसके मोबाइल नंबर पर स्वयं कॉल कर सत्यता की पुष्टि करें। वीडियो कॉल या किसी विश्वसनीय माध्यम से व्यक्ति की पहचान सुनिश्चित करें। किसी भी प्रकार की जल्दबाजी, डर या भावनात्मक दबाव में आर्थिक लेन-देन न करें। सोशल मीडिया पर अपनी निजी ऑडियो एवं वीडियो सामग्री अनावश्यक रूप से सार्वजनिक करने से बचें। बैंक खाते, ओटीपी, यूपीआई पिन अथवा अन्य गोपनीय वित्तीय जानकारी किसी के साथ साझा न करें। एसपी मीणा ने कहा कि यदि किसी व्यक्ति को इस प्रकार की संदिग्ध कॉल, ऑडियो संदेश या वीडियो प्राप्त होता है तो वह तत्काल उसकी सत्यता की जांच करे और किसी भी प्रकार का भुगतान न करे। ऐसी घटना की सूचना तुरंत राष्ट्रीय साइबर हेल्पलाइन 1930 पर दें अथवा साइबरक्राइम.जीओवी.इन पर शिकायत दर्ज कराएं। समय पर शिकायत करने से ठगी गई राशि को रोकने या वापस दिलाने की संभावना बढ़ जाती है। उन्होंने कहा कि पुलिस साइबर अपराधियों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्रवाई कर रही है, लेकिन साइबर सुरक्षा की सबसे मजबूत कड़ी स्वयं नागरिकों की जागरूकता और सतर्कता है।

## उत्कृष्ट महिलाओं को आठ मार्च को मिलेंगे राज्य स्तरीय पुरस्कार

हरिभूमि न्यूज ⏭ रेवाड़ी

हरियाणा सरकार की ओर से विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली महिलाओं को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न श्रेणियों में राज्य स्तरीय पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। डीसी अभिषेक मीणा ने बताया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की ओर से वर्ष 2026-2027 के राज्य स्तरीय पुरस्कारों के लिए पात्र महिलाओं से ऑनलाइन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इन पुरस्कारों के तहत विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर 8 मार्च 2027 को सम्मानित किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इन पुरस्कारों में सुषमा स्वराज पुरस्कार, इंदिरा गांधी महिला शक्ति पुरस्कार, कल्पना चावला शौर्य पुरस्कार, बहन शन्नो देवी पंचायती राज पुरस्कार, लाइफ टाइम अचीवमेंट पुरस्कार, सरकारी कर्मचारी पुरस्कार, सामाजिक कार्यकर्ता पुरस्कार और महिला उद्यमी पुरस्कार शामिल हैं। डीसी ने बताया कि पुरस्कारों के लिए विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य करने वाली पात्र महिलाएं 5 नवंबर तक विभाग के पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकती हैं।





## आरएसएस स्थापना वर्ष पर स्वयंसेवकों ने किया पथ संचलन

कोसली। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के 101वें स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य में भाकली-2 स्थित विवेकानंद स्कूल भवन में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। संचलन विवेकानंद स्कूल से प्रारंभ होकर बाजार के मुख्य मार्गों से होते हुए रामरत्न धर्मशाला पर सम्पन्न हुआ कार्यक्रम में मुख्य वक्ता के रूप में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के जिला कार्यवाह प्रकाश उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता कोसली आरपीएस स्कूल के संचालक श्रीभगवान ने की। इस मौके पर मुख्य वक्ता प्रकाश ने हिंदू समाज से एकजुट रहने, आपसी भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के साथ समान व्यवहार करने तथा सामाजिक समरसता को मजबूत बनाने का आह्वान किया। उन्होंने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की ओर से समाज के समक्ष रखे गए पंच परिवर्तन के विषय पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया।

### युवा महोत्सव विद्यार्थियों में छिपी हुई रचनात्मक प्रतिभा निखारने का सशक्त माध्यम : प्रो. असीम मिगलानी

# 13 से 15 नवंबर को होने वाले हिंडोला की तैयारी शुरू

**कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने युवा महोत्सव के सफल संचालन के लिए गठित की 39 समितियां**

हरिभूमि न्यूज ⏭ मीरपुर

इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय मीरपुर में आगामी 13 से 15 नवंबर तक 9वें अंतर-जोनल विश्वविद्यालय युवा महोत्सव हिंडोला का आयोजन किया जाएगा। तीन दिवसीय राज्य स्तरीय सांस्कृतिक महाकुंभ को भव्य, सुव्यवस्थित, अनुशासित एवं यादगार बनाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन ने तैयारियां शुरू कर दी हैं। आयोजन से जुड़ी समस्त व्यवस्थाओं एवं दायित्वों के सुचारू निष्पादन के लिए 39 अलग-अलग समितियों का गठन किया गया है। तैयारियों को अंतिम रूप देने और इन समितियों की कार्यप्रणाली की समीक्षा करने के लिए कुलपति प्रो. असीम मिगलानी की अध्यक्षता में विभिन्न आयोजक समितियों के संयोजकों की बैठक आयोजित की गई। इस मौके पर कुलपति प्रो. असीम मिगलानी ने कहा कि युवा महोत्सव केवल सांस्कृतिक प्रस्तुतियों या प्रतियोगिताओं का मंच नहीं है, बल्कि यह विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास, उनकी छिपी हुई रचनात्मक प्रतिभा को निखारने, उनमें नेतृत्व क्षमता व आत्मविश्वास का संचार करने तथा उन्हें अपनी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत एवं जड़ों से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम है। उन्होंने गठित की गई सभी समितियों के संयोजकों को पूरी निष्ठा, मुस्तैदी और आपसी समन्वय के साथ जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के निर्देश दिए। कुलपति ने कहा कि दूर-दराज के महाविद्यालयों से आने वाले प्रतिभागियों व अतिथियों के ठहरने का प्रबंधन सुनिश्चित किया जाए। संगीत, नृत्य, नाटक, साहित्यिक एवं ललित कलाओं के निर्णायक मंडल की व्यवस्था पूरी तरह से निष्पक्ष, पारदर्शी और पेशेवर हो।



रेवाड़ी। युवा महोत्सव को लेकर समिति सदस्यों की बैठक लेते कुलपति।

### रेवाड़ी जोन युवा महोत्सव 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक

बैठक में अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. करण सिंह और युवा कल्याण निदेशक प्रो. अदिति शर्मा ने रिपोर्ट पेश की। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. करण सिंह ने बताया कि इंटर-जोनल महोत्सव से पूर्व रेवाड़ी जोन का युवा महोत्सव 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक कृष्णा डिग्री कॉलेज में आयोजित होगा, जबकि महेंद्रगढ़ जोन का युवा महोत्सव प्रशासनिक कारणों से अब 31 अक्टूबर से 2 नवंबर तक राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय नारनौल में आयोजित किया जाएगा। दोनों जोनल प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय, तृतीय एवं चतुर्थ स्थान प्राप्त करने वाली श्रेष्ठ टीमें ही मुख्य हिंडोला उत्सव में हिस्सा लेंगी। वहीं, युवा कल्याण निदेशक प्रो. अदिति शर्मा ने बताया कि विश्वविद्यालय शिक्षण विभागों की टीमों ने विगत वर्षों में रेवाड़ी जोन की ओवरऑल ट्रॉफी जीतकर विश्वविद्यालय का मान बढ़ाया है और इस वर्ष भी विभिन्न विधाओं में विद्यार्थी पूरे उत्साह से अभ्यास में जुटे हैं।

## खबर संक्षेप

### सड़क हादसों के आरोपी चालक काबू

रेवाड़ी। पुलिस ने सड़क हादसों के बाद मौके से फरार हुए दो वाहन चालकों को गिरफ्तार किया है। इन हादसों एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। खोल थाना पुलिस ने जैसलमेर नेशनल हाइव पर हुए हादसे के बाद 5 अक्टूबर को वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने वाहन चालक सीहा निवासी भूपेंद्र को गिरफ्तार किया है। एक अन्य हादसे के बाद पुलिस ने 13 सितंबर को वाहन चालक के खिलाफ केस दर्ज किया था। इस मामले में पुलिस ने यूपी के बिजनौर निवासी रामसिंह को गिरफ्तार किया है। दोनों को पुलिस बेल पर रिहा कर दिया गया।

### मारपीट मामले का आरोपी चढ़ा हत्थे

रेवाड़ी। थाना सदर पुलिस ने मारपीट करने और धमकी देने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मारपीट में घायल के बयान पर पुलिस ने गत 25 जुलाई को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। पीड़ित ने लाठी-डंडों से मारपीट करने और धमकी देने के आरोप लगाए थे। जांच के बाद पुलिस ने इस मामले में गुरुग्राम के खलीलपुर निवासी कृष्ण देव को गिरफ्तार कर किया। पुलिस अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है। तफ्तीश में शामिल करने के बाद आरोपी को पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

### महिला से दुष्कर्म मामले में एक काबू

रेवाड़ी। थाना रामपुरा पुलिस ने शादी का झांसा देकर महिला का अपहरण करने और दुष्कर्म का शिकार बनाने के मामले में एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत के आधार पर 28 नवंबर को विभिन्न धाराओं के तहत केस दर्ज किया था। महिला का सामान्य अस्पताल से मेडिकल कराया गया था। जांच के बाद पुलिस ने दिल्ली के संत नगर निवासी मोनू को इस मामले में गिरफ्तार कर लिया। आरोपी को अदालत में पेश करने के बाद जेल भेज दिया गया।

### गंदे नाले में पड़ा मिला युवक का शव

रेवाड़ी। जड़थल गांव के गंदे नाले में रविवार को एक शव पड़ा मिला। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर शिनाख्त के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया। पुलिस को शनिवार दोपहर सूचना मिली कि गांव के गंदे नाले में शव पड़ा हुआ है। सूचना मिलने के बाद कसोला पुलिस ने मौके पर जाकर नाले से शव बाहर निकलवाया। सीन ऑफ क्राइम टीम को भी मौके पर बुलाया गया। मृतक की उम्र लगभग 35 साल बताई जा रही है। पुलिस ने शव की शिनाख्त कराने के लिए आसपास के गांवों में सूचना दी। काफी प्रयास करने के बाद भी शिनाख्त नहीं हो पाई।

## रेवाड़ी के 15 कॉलेजों ने युवा महोत्सव के लिए नामांकन करवाया

# कृष्णा डिग्री कॉलेज कोसली में 30 को सजेगा युवा महोत्सव का मंच






रेवाड़ी। युवा महोत्सव को लेकर रिहर्सल करते हुए छात्राएं तथा हरियाणवी डांस की रिहर्सल करती छात्राएं। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी/कोसली

**नामांकन कराने का अंतिम दिन 26 अक्टूबर**

मीरपुर स्थित इंदिरा गांधी विश्वविद्यालय से संबद्ध रेवाड़ी और महेंद्रगढ़ क्षेत्र के कॉलेजों में जोनल युवा महोत्सव की तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। विद्यार्थी अनेक विधाओं की प्रस्तुति के लिए अभ्यास में जुटे हुए हैं। युवा महोत्सव के आयोजन के लिए नामांकन प्रक्रिया अंतिम चरण में है। अब तक रेवाड़ी जिले के 15 कॉलेजों ने युवा महोत्सव में प्रतिभागिता के लिए नामांकन कराया है। नामांकन कराने का अंतिम दिन 26 अक्टूबर को है। जोनल महोत्सव में प्रथम, द्वितीय, तृतीय और चतुर्थ स्थान पाने वाले प्रतिभागी तथा टीमें इंटर-जोनल युवा महोत्सव में भाग लेंगी। श्री कृष्णा डिग्री कॉलेज कोसली में 30 अक्टूबर से 1 नवंबर तक आयोजित होने वाले हिंडोला जोनल यूथ फेस्टिवल को लेकर तैयारियां जोरों पर हैं।

### अंतिम चरण में चल रही रिहर्सल

जिले के विभिन्न कॉलेजों में इन दिनों यूथ फेस्टिवल को लेकर काफी चहल-पहल है। छात्र और शिक्षक सांस्कृतिक कार्यक्रमों, थियेटर, शास्त्रीय व लोक नृत्य, संगीत और अन्य विधाओं की रिहर्सल में जुटे हुए हैं। कृष्णा कॉलेज प्रबंधन भी आयोजन की तैयारी में लगा हुआ है। यूथ फेस्टिवल में हिस्सा लेने के लिए कॉलेजों को अपनी एंट्रियां ऑनलाइन जमा करानी होंगी। ऑनलाइन प्रक्रिया पूरी करने के बाद आवेदन की हार्ड कॉपी कॉलेज में ही जमा करानी होगी।

### विजेता टीम करेगी इंटर जोनल महोत्सव में प्रतिभागिता

जोनल महोत्सव में 46 विभिन्न प्रतियोगिता श्रेणियों में छात्र-छात्राएं अपनी प्रतिभा का करेंगे। प्रत्येक श्रेणी में प्रथम, द्वितीय व तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को इंटर-जोनल युवा उत्सव में कॉलेज का प्रतिनिधित्व करने का अवसर मिलेगा। इसके बाद ऑल इंडिया यूनिवर्सिटी महोत्सव में इंटर जोनल यूनिवर्सिटी के विजेता अपने जोन के विश्वविद्यालय का प्रतिनिधित्व करेंगे। महोत्सव में हरियाणा, दिल्ली व उत्तर प्रदेश की यूनिवर्सिटी प्रदर्शन करेंगे।

- एक नवंबर तक चलने वाले तीन दिवसीय जोनल यूथ फेस्टिवल में विद्यार्थी करेंगे प्रतिभा का प्रदर्शन
- महोत्सव में हरियाणा दिल्ली व उत्तर प्रदेश की यूनिवर्सिटी प्रदर्शन करेंगे

### छह मंचों पर होंगी 46 विद्याओं की प्रतियोगिताएं

आयोजन समिति के नोडल अधिकारी बसंत कुमार ने बताया कि छह मंचों पर 46 विधाओं की प्रस्तुतियां होंगी। इस बार विद्यार्थियों के लिए रील मेकिंग और सोलो सिंगिंग नए इवेंट रहेंगे, जबकि स्टैंड-अप कॉमेडी व ग्रुप सॉन्ग हरियाणवी को हटा दिए गए हैं। महोत्सव में हिंदुस्तानी या कर्नाटक शास्त्रीय एकल गायन, लाइट इंडियन, वेस्टर्न वोकल, भारतीय और पश्चिमी समूह गायन, वेस्टर्न इंस्ट्रूमेंटल, हरियाणवी रागनी, लोक गायन, कव्वाली, शास्त्रीय नृत्य, कोरियोग्राफी, हरियाणवी एकल नृत्य, फैशन शो, नाटक, स्किट, माइम, मिमिक्री, नुक्कड़ नाटक, हरियाणवी लघु फिल्म, साफा और पगड़ी बांधना, रील या यूट्यूब बनाना, भाषण, वाद-विवाद और काव्य पाठ प्रतियोगिताओं का आयोजन होगा। इनके अलावा कला विधाओं में पेंटिंग, कोलाज, पोस्टर मेकिंग, क्ले माडलिंग, कार्टूनिंग और रंगोली शामिल हैं।

# ट्रक की चपेट में आकर कंपनी कर्मी की मौत

- गुस्साए लोगों ने एक घंटे तक जाम लगाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



रेवाड़ी। कंपनी कर्मचारी की मौत के बाद जाम लगाते ग्रामीण, वाहनों की लगी कतार तथा लोगों को समझाती पुलिस।

शनिवार की रात कुंड पुलिस चौकी के पास ट्रक की चपेट में आकर बाइक चालक की दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस की मौजूदगी में चालक के फरार होने से गुस्साए लोगों ने जैसलमेर नेशनल हाइवे पर जाम लगा दिया। पुलिस ने चालक को काबू करने के बाद ग्रामीणों ने जाम खोला। रात को नारनौल से माजरा एम्स की ओर जा रहे एक ट्रक का चालक कुंड के पास रास्ता भटक गया। वह ट्रक को बैक करने लगा। इसी दौरान कंपनी से ड्यूटी करने के बाद बाइक से घर लौट रहा अहरोद निवासी 36 वर्षीय जितेंद्र ट्रक की चपेट में आ गया। उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद बड़ी संख्या में आसपास के लोग एकत्रित हो गई। लोगों के अनुसार ट्रक चालक ने शराब का सेवन किया हुआ था। पुलिस ने हादसे के बाद उसे तुरंत काबू करने की बजाय जाने दिया। इसके बाद लोगों ने रोड जाम कर दिया। थाना खोल प्रभारी गजराज सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंच गए। इसके बाद ट्रक चालक को हिरासत में लिया गया।

### पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंपा शव

थाना खोल पुलिस ने रात को ही शव मोर्चरी में रखवा दिया था। रविवार को पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। पुलिस ने आरोपी ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर लिया। उसे गिरफ्तार करने के बाद पुलिस बेल पर छोड़ दिया गया।

### युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या की

रेवाड़ी। गांव गोकलगढ़ में करीब 40 साल के युवक ने फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस ने पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया। आत्महत्या के कारणों की जांच की जा रही है। पुलिस के अनुसार चमन सिंह अविवाहित था। वह शराब का आदि था। उसने अपने घर में ही फांसी लगा ली। कुछ समय बाद परिजनों को इसका पता चला, तो परिजनों ने फंदे से उतारकर चमन को अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

### यादव कल्याण सभा के कैंप में 129 लोगों ने उठाया स्वास्थ्य जांच लाभ



रेवाड़ी। यादव कल्याण सभा की ओर से रविवार को गढ़ी बोलनी रोड स्थित श्रीकृष्ण भवन में निःशुल्क स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में 129 मरीजों को निःशुल्क चिकित्सा सेवा व दवाईयां प्रदान की गई। डा. तरुण यादव ने मेडिसन, डा. आकाश यादव ने हड्डी रोग, डा. करतार सिंह यादव ने सर्जरी, डा. कंचन यादव ने नेत्र रोग, डा. योगेन्द्र यादव चर्म रोग व डा. अमन यादव ने स्त्री रोग में ओपीडी सेवाएं प्रदान की। लेफ्टिनेंट पूर्ण सिंह यादव ने फिजियोथेरेपी की सेवाएं प्रदान की। राजेश यादव व पवन कुमार ने मरीजों को दवाईयां वितरित की। कैंप में आयोजन में सभा के प्रधान रामबीर यादव,जसवंत सिंह, अमर सिंह, राम सिंह, गोकल राम, शशिभूषण, प्रो. सतीश यादव, विजय पाल व बिक्रम ने सहयोग दिया।

### लिसाना वाटर वर्क्स की मुख्य पाइपलाइन क्षतिग्रस्त, दो-तीन दिन जलापूर्ति रहेगी बाधित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी



रेवाड़ी-हिसार रेलवे लाइन के पास हुडा बाईपास पर लिसाना वाटर वर्क्स की 600 एमएम की मुख्य पेयजल पाइपलाइन क्षतिग्रस्त हो गई है। पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने से आसपास के क्षेत्र में पानी जमा हो गया। जनस्वास्थ्य विभाग की ओर से क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को ठीक करने का कार्य शुरू कर दिया गया है। पाइपलाइन के क्षतिग्रस्त होने के कारण शहर के वार्ड नंबर 24 से 32 तक तथा तीन गांव गोकलगढ़, चांदावास और कालूवास में आगामी 2 से 3 दिनों तक पेयजल आपूर्ति बाधित रहेगी। जनस्वास्थ्य विभाग के जेई सुनील कुमार ने बताया कि क्षतिग्रस्त पाइपलाइन को दुरस्त करने के लिए कार्य शुरू कर दिया गया है। पाइपलाइन पुरानी होने के कारण क्षतिगस्त हो गई है। विभाग की ओर से जलापूर्ति सुचारू करने के लिए नई पाइपलाइन डाली जा रही है। इस कार्य में 2 से 3 दिन का समय लग सकता है। हांलाकि विभाग की ओर से पाइपलाइन को जल्द से जल्द ठीक करने के प्रयास किए जा रहे हैं। मरम्मत कार्य पूरा होने के बाद संबंधित क्षेत्रों में पेयजल आपूर्ति बहाल की जाएगी। उन्होंने प्रभावित क्षेत्रों के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अगले तीन दिनों के लिए पानी का पर्याप्त भंडारण रखें तथा पेयजल का इस्तेमाल सावधानीपूर्वक करें ताकि उनको परेशानी का सामना न करना पड़े।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
रेवाड़ी कार्यालय : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, सेक्टर-1 वाला कच्चा रास्ता, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी सम्पर्क करें: 8053076211, 8295738500, 9253681005

मृत्यु अंत नहीं है
मृत्यु कभी भी अंत नहीं हो सकती
मृत्यु एक पथ है, जीवन एक यात्रा है
आत्मा पथ प्रदर्शक है।
हरिभूमि
राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक
इस शोकाकुल समय में हम आपके सहभागी हैं।
तेरहवीं/श्रद्धान्जलि/शोक संदेश
आप अर्पित कीजिये अपने श्रद्धा-सुमन हरिभूमि के माध्यम से

| साईज | संस्करण | विशेष छूट राशि |
|---|---|---|
| 5 X 8 सें.मी 10X 8 सें.मी | स्थानीय संस्करण के अन्दर के पृष्ठ पर | रु. 1500/- रु. 2000/- |

+5% GST Extra
नोट : विशेष छूट राशि केवल उपरोक्त साईज पर मान्य। अन्य किसी साईज के लिए कार्ड रेट लागू।
अधिक जानकारी के लिए सम्पर्क करें
रेवाड़ी : दुकान नंबर 67, दुर्गा मार्केट, नजदीक महाराणा प्रताप चौक, बावल रोड, रेवाड़ी फोन : 9653537253, 9671434260

## ऑपरेशन मुस्कान के तहत परिजनों को सौंपे बच्चे

# परिजनों से नाराज होकर आया नाबालिग पुलिस ने सकुशल परिवार की खुशियां लौटाई






रेवाड़ी। परिवार से जुदा हुए बच्चों को परिजनों को सौंपते हुए पुलिसकमी। फोटो : हरिभूमि

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रेवाड़ी

पुलिस ने ऑपरेशन मुस्कान के तहत पंजाब से अपने परिजनों से नाराज होकर आए एक नाबालिग को उसके परिजनों के हवाले किया, वहीं एक 3 साल की मासूम बच्ची को तुरंत तलाश करते हुए परिवार की खुशियां लौटाने का काम किया। अभय सिंह चौक पर यातायात ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को रविवार सुबह करीब 9 बजे एक नाबालिग लड़का लावारिस हालत में घूमता हुआ दिखाई दिया। पुलिसकर्मियों ने तुरंत बच्चे को अपनी सुरक्षा में लिया और उससे आत्मीयता से पूछताछ की। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि वह पंजाब का रहने वाला है और अपने घरवालों से नाराज होकर घर से निकल आया है। ट्रैफिक पुलिस ने तुरंत बच्चे को आगामी कार्रवाई हेतु थाना मॉडल टाउन पुलिस के हवाले किया। थाना मॉडल टाउन पुलिस ने बिना समय गंवाए बच्चे के परिजनों को तुरंत सूचित किया। शाम करीब 5 बजे थाना मॉडल टाउन पुलिस ने नाबालिग लड़के को सकुशल उसके परिवार के सुपुर्द कर दिया। इस कार्रवाई पर परिजनों ने खुशी जाहिर करते हुए पुलिस का आभार व्यक्त किया।

### तीन साल की बच्ची बाजार में बिछड़ी

चौकी गोकल गेट पुलिस को सूचना मिली कि पंजाबी मार्केट में एक 3 वर्षीय मासूम बच्ची लावारिस हालत में भटक रही है। सूचना मिलते ही चौकी गोकुल गेट पुलिस टीम ने तुरंत मौके पर पहुंचकर बच्ची को अपनी सुरक्षा में लिया और बाजार व आसपास के क्षेत्र में उसके परिजनों की तलाश शुरू कर दी। पुलिस टीम के त्वरित प्रयासों से कुछ ही देर में बच्चे के माता-पिता को ढूंढ लिया गया। पूछताछ करने पर पता चला कि बच्चे के परिजन बांदीकुई के निवासी हैं, जो बाजार में खरीदारी करने आए थे। खरीदारी के दौरान ही मासूम घूमते-फिरते अचानक उनसे अलग हो गयी थी। पुलिस ने महज आधे घंटे के भीतर मासूम बच्ची को उसके माता-पिता के सुपुर्द कर दिया।

## न्यूज डायरी



### जागरण में मनमोहक भजनों से किया मां भगवती का गुणगान

कोसली। कोसली रेलवे स्टेशन क्षेत्र स्थित गांधीनगर में शनिवार रात्रि मां शेरावाली मित्र मंडल की ओर से माता रानी का 18वें जागरण का आयोजन किया गया। जागरण में भजन गायक कलाकार बालकिशन शर्मा, प्रीति कौशिक व राजा बामनिया ने माता के भजनों से श्रोताओं को मंत्रमुग्ध किया। सोनू श्रृंगार ग्रुप की ओर से माता रानी व हनुमान जी की झांकियां प्रस्तुत की गई। इस अवसर पर जिला पार्षद जीवन हितैषी, शारदा यादव, व सरपंच प्रतिनिधि विजय पूनिया, ब्लॉक समिति सदस्य सुनील गर्ग, कोसली गांव के सरपंच रामकिशन जांगड़ा, नवीन गोयल, मुकेश कुमार व धर्मवीर सहित काफी संख्या में श्रद्धालु मौजूद थे।



### पुलिस के जवानों ने नेशनल म्यूजियम दिल्ली का किया भ्रमण

रेवाड़ी। शहीद पुलिसकर्मियों के प्रति सम्मान और उनके अद्वितीय बलिदान को नमन करते हुए जिला पुलिस के 50 जवानों ने रविवार को नेशनल पुलिस म्यूजियम नई दिल्ली का भ्रमण किया। इस अवसर पर सभी पुलिस कर्मियों ने देशभर के वीर पुलिस शहीदों के जीवन, योगदान और शौर्य गाथाओं को जाना। नेशनल पुलिस म्यूजियम के भ्रमण के दौरान जवानों ने भारतीय पुलिस सेवा के गौरवशाली इतिहास, विभिन्न राज्यों की पुलिस की उपलब्धियों और बलिदान की प्रेरणादायक गाथाओं की जानकारी ली। पुलिस के जवानों ने शहीद स्मारक पर शहीदों को श्रृद्धांजलि भी अर्पित की। भ्रमण का उद्देश्य जवानों में सेवा भावना, देशभक्ति और कर्तव्यनिष्ठा की भावना को और प्रबल करना रहा।

### श्रद्धालुओं ने शरद पूर्णिमा पर तुलाराम विहार में किया धार्मिक अनुष्ठान



रेवाड़ी। रविवार को शरद पूर्णिमा के पावन अवसर पर तुलाराम विहार में भगवान श्री सत्यनारायण की कथा एवं धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किया गया। यजमान मुकेश कुमार एवं पूनम देवी ने पुरोहित पं अजय कुमार शास्त्री के मार्गदर्शन में विधि-विधान से पूजा-अर्चना की। पूजन के अंतर्गत संकल्प, कलश स्थापना, भगवान गणेश का स्मरण, भगवान सत्यनारायण को पुष्प, अक्षत, चंदन, धूप-दीप एवं फल अर्पित किए गए। इसके बाद कथा श्रवण, आरती और प्रसाद वितरण हुआ। श्रद्धालुओं ने परिवार, समाज एवं राष्ट्र की सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस मौके पर स्टेट टीचर अवॉर्डी अध्यापक मुकेश कुमार ने कहा कि धार्मिक आयोजन भारतीय संस्कृति एवं संस्कारों को मजबूत करने के साथ समाज में प्रेम, सद्भाव और नैतिक मूल्यों को बढ़ावा देते हैं। उन्होंने युवा पीढ़ी को अपनी सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने पर जोर दिया। पीथड़ावास की सरपंच अनीता शर्मा ने कहा कि धार्मिक परंपराएं समाज को एकजुट करने और संस्कारों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम हैं। इस अवसर पर समाजसेवी राधेश्याम जांगिड़, माया देवी, भरपाई देवी पूर्व पंच, महेश कुमार, पूजा देवी, मोहित कुमार, नितेश कुमार, सपना देवी, राकेश कुमार, संयोगिता, रणबीर शास्त्री, मनीषा देवी, कृष्णा, रीना, शर्मिला, किरण, अन्नू, सरिता, वैभव कुमार, जितेश कुमार, रोली जांगिड़, यतेश कुमार, भूमि, यक्षित, पूर्वी व यश्वी सहित अनेक श्रद्धालु उपस्थित रहे।

### रेवाड़ी-नारनौल रेलमार्ग पर मिला बुजुर्ग का शव, अभी शिनाख्त नहीं

रेवाड़ी। रेवाड़ी-नारनौल रेलमार्ग पर रेलवे स्टेशन से करीब एक किलोमीटर की दूरी पर रेलवे लाइन के पास एक बुजुर्ग का शव मिला है। सूचना के बाद मौके पर पहुंची जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर कार्रवाई शुरू की। मृतक की अभी पहचान नहीं हो पाई है। जांच अधिकारी अनीता ने बताया कि रेवाड़ी-नारनौल रेलवे लाइन के बीच एक व्यक्ति के पड़े होने की सूचना मिली थी। मौके पर एक बुजुर्ग का शव मिला, जिसके पास कोई आईडी नहीं मिली। मृतक की उम्र करीब 70 से 75 वर्ष के करीब है। मृतक की माथे पर चोट के निशान हैं, जबकि दाहिने पैर का अंगूठा टूटा हुआ है। उसने सफेद बनियान और कमर पर पायजामा पहना हुआ था। शव को कब्जे में लेकर नागरिक अस्पताल स्थित शवगृह में रखवाया गया है। पुलिस मृतक की पहचान के लिए प्रयास कर रही है। उन्होंने बताया कि निर्धारित अवधि तक पहचान नहीं होने की स्थिति में नियमानुसार हिंदू रीति-रिवाज के अनुसार मृतक का अंतिम संस्कार कराया जाएगा।

### विजय एकता मंच के शिविर में 120 लोगों ने कराई नेत्र जांच



कोसली। गुड़ियानी गांव में विजय एकता मंच व प्राइवेट अस्पताल नई दिल्ली के सहयोग से निःशुल्क नेत्र जांच शिविर आयोजित किया गया। शिविर में 120 मरीजों की आंखों की जांच की गई, जिनमें 12 मरीजों में मोतियाबिंद की पुष्टि हुई। 90 मरीजों को निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए तथा दवाइयां भी दी गई। शिविर में डा. सुपर्णा और टीम ने मरीजों की आंखों की जांच कर आवश्यक परामर्श दिया। विजय गुड़ियानी ने बताया कि मोतियाबिंद से पीड़ति मरीजों को ऑपरेशन के लिए डा. श्राफ चैरिटी आई हॉस्पिटल नई दिल्ली ले जाया जाएगा। मरीजों के दिल्ली आने-जाने, रहने, खाने और आपरेशन सहित सभी सुविधाएं पूरी तरह निःशुल्क रहेंगी। उन्होंने बताया कि शिविर के दौरान 18 सितंबर को आयोजित नेत्र जांच शिविर में मोतियाबिंद का ऑपरेशन कराने वाले 23 मरीजों की पुनः जांच भी की गई।

### महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस की पूर्व संध्या पर जागरण में भजनों पर झूमे श्रद्धालु

रेवाड़ी। महर्षि वाल्मीकि प्रकट दिवस की पूर्व संध्या पर एकता कॉलोनी कुतुबपुर में जागरण का आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने देर रात तक बाबा के भजनों का भक्ति भाव से गुणगान किया। जागरण में अनेक गायकों ने भजनों से महर्षि वाल्मीकि की महिमा का गुणगान किया। भजनों पर श्रद्धालु झूमते नजर आए। महिलाओं ने भजनों पर नृत्य कर अपनी श्रद्धा व्यक्त की। जागरण में जितेंद्र गुगलिया, धर्मपाल बोयत, मुकेश गुगलिया, जय सिंह बोयत, श्याम राणा, अजय रंगा, सतीश प्रजापत, दीपक चावरिया, विजय, अंकित, कमल गुगलिया, अभिषेक, यश, मयंक, रोहित, पवन, लक्ष्य, मनजीत, गोलू, हेमंत, अतुल, सचिन, मनजीत टांकड़ी, कमल भटनागर, रामायण चावरिया, भारत, मुकेश चावरिया, महेंद्र प्रजापत और राजेंद्र राजपूत सहित अनेक श्रद्धालु मौजूद रहे।

### कोसली क्षेत्र के गांव से विवाहिता लापता

कोसली। क्षेत्र के गांव में मायके में रह रही एक विवाहिता बिना किसी को कुछ बताए घर से लापता हो गई। लापता विवाहिता के पिता ने नाहड़ पुलिस चौकी में दी शिकायत में बताया कि उनकी 25 वर्षीय लड़की की शादी समीप के गांव में हुई है, जिसे एक 5 साल का बेटा भी है। बेटी की तबीयत खराब होने के कारण वह गत 5-6 महीने से उनके पास रह रही थी। शुक्रवार को वह घर से बिना बताए कही चली गई। उन्होंने अपने स्तर पर रिश्तेदारियों में पूछताछ की, लेकिन उसका कोई पता नहीं मिल पाया। वह अपना मोबाइल भी साथ ले गई है। पुलिस ने पिता की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर लिया है।